रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 17 दिसम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 312 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

जानलेवा कोहरा

मथुरा में 13 की मौत

● यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा, 8 बसें-3 कारें टकराईं ● 13 जिंदा जले, शरीर के टुकड़े 17 पॉलिथीन में ले गए

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर कोहरे के चलते 8 बसें और 3 कारें भिड़ गईं। टक्कर होते ही गाड़ियों में आग लग गई। भाजपा नेता समेत 13 लोगों की जलकर मौत हो गई। 70 लोग घायल हैं। मरने वालों का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, क्योंकि बसों में कटे हुए अंग मिले हैं। पुलिस ने इन्हें 17 पॉलिथीन बैग में भरकर ले गई है। अब डीएनए टेस्ट से इनकी पहचान की जाएगी। हादसा थाना बलदेव क्षेत्र में माइलस्टोन 127 पर हुआ। पुलिस, फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ के 50 जवानों और 9 थानों की पुलिस ने 6 घंटे में रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा किया। हादसे के चलते एक्सप्रेस-वे पर 3 किमी लंबा जाम लग गया था। हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं। आईजी प्रशासन अमरेश जांच का नेतृत्व करेंगे। टक्कर के बाद राहगीर ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शी भगवान दास ने बताया कि टक्कर के बाद ऐसा लगा जैसे बम फटा हो। लोग बसों के शीशे तोड़कर बाहर कूद रहे थे। थोड़ी देर में बसें जलकर राख हो गईं। हमने बस से 8-9 लाशें निकालीं। आरोप है कि रेस्क्यू करीब एक घंटे बाद शुरू हुआ। घायलों को 11 एम्बुलेंस से मथुरा जिला अस्पताल भेजा गया।

पीएम मोदी ने दुख जताया, मदद का ऐलान

पीएम मोदी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया गया है।

हादसे की जांच के लिए टीम का किया गठन

हादसे की जांच के लिए 4 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। आईजी प्रशासन टीम का नेतृत्व करेंगे। उनके अलावा एसपी देहात, अधिशासी अभियंता और प्रवर्तन को भी टीम में शामिल किया गया है। टीम 48 घंटे में अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी। श्लोक कुमार ने बताया- मौके से कुछ डेडबॉडी मिलीं, जिन्हें पोस्टमॉर्टम हाउस लाया गया। जो मलबा और शवों के अवशेष मिले, उन्हें मोर्चरी लाया गया। यहां डॉक्टरों की जांच में 13 लोगों की डेडबॉडी होने की पुष्टि हुई है। इसमें से 3 डेडबॉडी की पहचान आजमगढ़ निवासी रामपाल, गोंडा निवासी सुल्तान, प्रयागराज के खिलेंद्र के रूप में हुई है।

लोकसभा में 'वीबी-जी राम जी' बिल हुआ पेश

● प्रियंका बोलीं-सरकार को नाम बदलने की सनक

● शशि थरूर ने कहा- राम का नाम बदनाम न करो

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) बिल, 2025' पेश किया। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि हम इस बिल का विरोध करते हैं। हर योजना का नाम बदलने की सनक समझ नहीं आती है। बिना चर्चा के बिना सलाह लिए विधेयक को पास न करें। इसे वापस लें। नया विधेयक पेश करें। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी मेरे परिवार के नहीं, मेरे परिवार जैसे ही हैं। पूरे देश की यही भावना है। कम से कम स्थायी समिति के पास इस बिल को भेजें।

मप्र में अब नहीं होंगे दैवेभो-स्थायीकर्मी, 7 कैटेगरी खत्म

● तीन आदिवासी जिलों के लिए 1782 करोड़ का सिंचाई पैकेज, 6 जिलों में खुलेंगे वन विज्ञान केंद्र

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने कर्मचारियों की 7 कैटेगरी (दैनिक वेतन भोगी, अंशकालीन, कार्यभारित, स्थायीकर्मी सहित अन्य) समाप्त कर दी हैं। अब सिर्फ तीन कैटेगरी रहेंगी, इनमें नियमित, संविदा, आउटसोर्स कर्मचारी शामिल हैं। मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया है। सरकार ने साफ कर दिया है कि अब स्थायी और अस्थायी कैटेगरी नहीं रहेगी। क्योंकि इनकी सेवा शर्तें, वेतन और पेंशन समान हैं। कैबिनेट ने यह भी निर्णय लिया है कि वर्तमान में कार्यरत कर्मचारी की सेवाकाल में मृत्यु होने पर उसके आश्रित को नियमित पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी।

कोर्ट में नहीं बताना पड़ेगी कैटेगरी

सरकार का कहना है कि अभी न्यायालयीन प्रकरणों में अलग-अलग पदों की वजह से काफी गफलत होती है। नई व्यवस्था लागू होने और संबंधित पद समाप्त होने के बाद कोर्ट को यह बताना नहीं पड़ेगा कि कर्मचारी किस कैटेगरी का है। इससे बार-बार सुनवाई से सरकार बच सकेगी। उधर, स्थायी और अस्थायी का अंतर खत्म करने के बाद विभागों को हर साल अस्थायी पदों के लिए कैबिनेट से मंजूरी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। सरकार ने साफ कर दिया है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद नियमित और संविदा कर्मचारियों पर ही फोकस रहेगा।

मध्यप्रदेश को गढ़ने वाले सच्चे सेवक हैं श्रमिक

● डॉ. यादव बोले-इनकी मेहनत ही विकास की है बुनियाद ● मुख्यमंत्री बोले-सरकार हर परिस्थिति में श्रमिकों के साथ ● 7227 श्रमिक हितग्राहियों को दिया 160 करोड़ का संबल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार हर उस जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है, जो इसके वास्तविक हकदार हैं। हमारी सरकार गरीब, लाचार, श्रमिक, निराश्रित और जरूरतमंद नागरिकों को स्नेह, अपनत्व, स्वावलंबन और आर्थिक सहायता का संबल देती रहेगी। प्रदेश की जनता के सुख-दुख में सरकार हमेशा साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री जनकल्याण (सम्बल 2.0) योजना के तहत सहायता राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 55 जिलों के 7227 सम्बल हितग्राहियों के बैंक खाते में 160 करोड़ रुपए की अनुग्रह सहायता राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस योजना के प्रारंभ वर्ष 2018 से लेकर अब तक 7.76 लाख प्रकरणों में 7383 करोड़ रुपए की सहायता राशि जरूरतमंद हितग्राहियों को दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संबल योजना श्रमिकों के कठिन समय की सच्ची साथी है। सरकार हर परिस्थिति में श्रमिकों के साथ खड़ी है। संबल योजना सिर्फ आर्थिक सहायता का जरिया ही नहीं, यह सरकार और श्रमिकों के बीच आपसी भरोसे का रिश्ता भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समय के साथ श्रम के स्वरूप भी बदले हैं। हमारी सरकार ने गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को असंगठित श्रमिक का दर्जा दिया है। एक मार्च 2024 से इन्हें भी संबल योजना के दायरे में शामिल किया गया है।

● **हमारी सरकार हर गरीब और श्रमिक वर्ग के साथ** - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब पत्थर तोड़ने वाले, ईंट बनाने वाले, पापड़ अचार बनाने वाले, खाना बनाने वाले, घरों में काम करने वाले मजदूर या तेंदूपत्ता बीनने वाले सभी श्रमिक और उनके परिवार इस योजना से जुड़कर आर्थिक मदद पा रहे हैं। साथ ही प्रदेश की कुशल श्रम शक्ति को सहकारिता के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए हमने श्रमणा जैसी योजनाएं भी शुरू की हैं, जिससे श्रमिक वर्ग आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर गरीब और श्रमिक वर्ग के साथ हर कदम पर खड़ी है। कोई भी श्रमिक परिवार खुद को असहाय न समझे। श्रमिक भाई सरकार की सभी सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का भरपूर लाभ उठायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में कठिनाई कभी बताकर नहीं आती। ऐसी स्थिति में जमा-पूंजी (पैसा) ही हमें संबल देता है। राज्य सरकार सभी श्रमिक परिवारों के हर मुश्किल वक्त में साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि संबल योजना सभी को एक माला की तरह साथ जोड़कर रखती है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल कार्यक्रम में अमरकंटक से वर्चुअल शामिल होकर कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में आज संबल योजना के अंतर्गत 7वीं बार हितग्राही परिवारों को राशि अंतरित की जा रही है।

विश्व हिन्दू परिषद दुर्गा वाहिनी द्वारा शाहपुर प्रखंड के ग्राम नाचनखेड़ा में किया नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजन

मातृ शक्ति जिला संयोजिका संगीता दीदी ,जिला सह संयोजिका दीपका दीदी की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ

महेन्द्र मालवीय/रणजीत टाईम्स

विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति द्वारा देशभर में 7 दिसंबर से 14 दिसंबर तक नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी ने बुरहानपुर जिले के ग्राम नाचनखेड़ा में इस अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता शाहपुर थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा ने छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति होते हैं और समाज व

देश के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि अधिक से अधिक युवा नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़ें। उन्होंने कहा देश के सामने मौजूद इस चुनौती को स्वीकार करते हुए आज हम सब नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संकल्प लेते हैं कि हम न केवल अपने समाज, परिवार और मित्रों को जागरूक करेंगे, बल्कि स्वयं भी नशा मुक्त रहेंगे। कार्यक्रम की जानकारी , दिनेश राठौड़ प्रचार प्रसार प्रमुख ने दी ,स्कूल के प्राचार्य , शिक्षिक ,शिक्षिका छात्राएं, समाज के प्रमुख लोग ग्रामीण मौजूद थे।

हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने पकड़ा लव जिहाद का मामला सरवटे बस स्टैंड स्थित जैन होटल में युवक-युवती पकड़े जाने का मामला, प्रकरण दर्ज

राजेश धाकड़

इंदौर के सरवटे बस स्टैंड स्थित जैन होटल में हिंदू जागरण मंच जिला इकाई के सह संयोजक प्रशांत वर्मा एवं सह संयोजक संतोष सिंह जाधव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एक युवक को युवती के साथ होटल के कमरे में पकड़ा। कार्यकर्ताओं द्वारा युवक पर युवती को बहला-फुसलाकर लाने का आरोप लगाया गया है। आरोपी युवक की पहचान याकीन खान, निवासी सवाई माधोपुर, राजस्थान के रूप में बताई जा रही है। वहीं युवती महाराष्ट्र के एक गांव की रहने वाली बताई गई है। मामले

की जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई, जिसके बाद दोनों को थाना छोटी ग्वालटोली लाया गया। पुलिस ने मामले में आवश्यक पूछताछ के बाद युवक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार युवती के बयान एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की जांच एवं कानूनी कार्रवाई की जा रही है। हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों का कहना है कि वे इस प्रकार के मामलों को लेकर सतर्क हैं और समाज को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

श्री मनोज कुमार राय पुलिस अधीक्षक, खंडवा की ओर से रणजीत टाइम्स के 10 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर प्रधान संपादक श्री गोपाल गावंडे जी एवं समस्त रणजीत टाइम्स परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपका पत्रकारिता के क्षेत्र में निरंतर समर्पित एवं निष्पक्ष योगदान सराहनीय है। आशा है भविष्य में भी आप समाजहित में इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते रहेंगे।

जिलेंड वनडे मैच

MPCA (मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन) को भारत बनाम न्यू जिलेंड वनडे मैच को आयोजित करने का सौभाग्य मिला है। यह मैच 18 जनवरी 2026 को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा। दर्शक अपनी टिकट ऑनलाइन माध्यम से ले सकेंगे। टिकट केवल 'District by Zomato' के मोबाइल ऐप और वेबसाइट पर ही उपलब्ध रहेगी। साउथ पवेलियन के लोअर फ्लोर की टिकट 5,500 रुपए से शुरू होकर फर्स्ट फ्लोर 7,000, सेकेंड फ्लोर 6,500 और थर्ड फ्लोर के 5,000 रुपए तक रखी गई हैं। वहीं ईस्ट और वेस्ट स्टैंड में 800 रुपए से लेकर 1,500 रुपए तक की टिकट है। एक व्यक्ति अधिकतम चार टिकट ही ले सकेगा।

खंडवा कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता जी ने रणजीत टाइम्स न्यूज़ के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चैनल के प्रधान संपादक श्री गोपाल गावड़े जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने रणजीत टाइम्स द्वारा विगत दस वर्षों से की जा रही निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहितकारी पत्रकारिता की सराहना करते हुए कहा कि प्रधान संपादक श्री गोपाल गावड़े जी के नेतृत्व में चैनल ने समाज को जागरूक करने का सराहनीय कार्य किया है। साथ ही उन्होंने रणजीत परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खंडवा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री महेन्द्र तारणेकर ने रणजीत टाइम्स न्यूज़ के प्रधान संपादक श्री गोपाल गावड़े जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने रणजीत टाइम्स के सफल 10 वर्ष पूर्ण होने पर गोपाल गावड़े जी के पत्रकारिता क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। श्री तारणेकर ने कहा कि रणजीत टाइम्स न्यूज़ ने निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से समाज में अपनी सशक्त पहचान बनाई है। साथ ही वर्ष 2026 में प्रकाशित होने जा रही रणजीत टाइम्स मैगज़ीन के लिए भी उन्होंने हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए इसके सफल प्रकाशन की कामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधान संपादक श्री गोपाल गावड़े जी के नेतृत्व में रणजीत टाइम्स परिवार आगे भी पत्रकारिता के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छुएगा और समाज को जागरूक करने का कार्य निरंतर करता रहेगा।

महू में मनाया गया रक्षा संपदा दिवस

जितेन्द्र वर्मा

महू रक्षा संपदा दिवस के अवसर पर महू के गर्ल्स स्कूल परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्षा संपदा विभाग के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें बच्चों और युवाओं ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। उपस्थित

अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और रक्षा संपदा विभाग के कार्यों व महत्व पर प्रकाश डाला कार्यक्रम का उद्देश्य रक्षा संपदा के संरक्षण, स्वच्छता एवं जागरूकता को लेकर आमजन को प्रेरित करना रहा।

ब्राह्मणपीपलिया में भूमाफियाओं का आतंक, प्रशासनिक आदेशों की खुलेआम अवहेलना

खुशबू श्रीवास्तव

खड़ी फसल नष्ट, कैमरे तोड़े, साम्प्रदायिक तनाव फैलाने का आरोप — पुलिस पर संरक्षण देने के गंभीर आरोप इंदौर जिले की सांवेर तहसील के ग्राम ब्राह्मणपीपलिया में वर्षों पुरानी कृषि भूमि को लेकर विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है। प्रार्थीगण ने कलेक्टर इंदौर को विस्तृत शिकायत सौंपते हुए आरोप लगाया है कि अपर कलेक्टर एवं एसडीएम सांवेर के स्पष्ट आदेशों के बावजूद दबंग भूमाफियाओं द्वारा खेत का जबरन रूप परिवर्तन कर फसलें नष्ट की जा रही हैं, कैमरे तोड़े जा रहे हैं और गांव की साम्प्रदायिक शांति बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रार्थीगण के अनुसार, उनकी स्वामित्व व आधिपत्य वाली कृषि भूमि सर्वे नंबर 276 व 277 (ग्राम ब्राह्मणपीपलिया, तहसील सांवेर) पर वे पिछले 54 वर्षों से वैधानिक रूप से काबिज हैं। भूमि उनके पूर्वजों द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्रों के माध्यम से खरीदी गई थी और राजस्व रिकॉर्ड में भी उनके नाम दर्ज हैं।

स्टे ऑर्डर का झूठा दावा, लहसुन-गेहूं की

फसल तबाह

शिकायत के अनुसार, 9 नवंबर 2025 से 13 दिसंबर 2025 के बीच संतोष सिंह व कमल सिंह सहित अन्य आरोपियों ने 100 से अधिक लोगों के साथ खेत पर धावा बोला। ट्रैक्टरों से लहसुन व गेहूं की खड़ी फसल रौंदी गई, फसल नष्ट करने वाली दवाइयों का छिड़काव किया गया, बोरिंग और कैमरों में तोड़फोड़ की गई तथा किसानों के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकियां दी गईं। इतना ही नहीं, आरोप है कि खेत में जबरन धार्मिक ढांचा स्थापित करने और टापरी बनाकर वहीं निवास शुरू करने का प्रयास किया गया, जिससे गांव में साम्प्रदायिक तनाव फैलने की आशंका उत्पन्न हो गई है।

पुलिस पर गंभीर आरोप

प्रार्थीगण ने मांगलिया चौकी प्रभारी और शिप्रा थाना प्रभारी पर आरोपियों को संरक्षण देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में कहा गया है कि बार-बार सूचना देने, लिखित आवेदन और पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशों के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की गई, जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए।

प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग पीड़ित किसानों ने कलेक्टर से मांग की है कि— अवैध कब्जा तत्काल हटाया जाए दोषियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई व एफआईआर दर्ज की जाए निष्पक्ष जांच किसी अन्य अधिकारी से कराई जाए किसानों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो गांव की सामाजिक शांति भंग हो सकती है और कोई बड़ी अप्रिय घटना घट सकती है।

महिला कांग्रेस महू द्वारा मंत्री विजय शाह का पुतला दहन

मध्य प्रदेश कैबिनेट मंत्री श्री विजय शाह द्वारा लाड़ली बहनों को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान के विरोध स्वरूप, मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती रीना बोरासी सेतिया के निर्देश पर पूरे प्रदेश में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मंत्री विजय शाह का पुतला दहन किया जा रहा है।

इसी क्रम में महू में तेज़ तर्रार कांग्रेस नेत्री श्रीमती शिखा अमित अग्रवाल के नेतृत्व में स्थानीय धान मंडी चौराहा पर मंत्री विजय शाह का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर युवा साथियों एवं वरिष्ठ कांग्रेसजनों के साथ बड़ी संख्या में मातृशक्ति भी उपस्थित रही। शिखा अमित अग्रवाल द्वारा बताया गया कि भाजपा के मंत्री विजय शाह द्वारा सत्ता के नशे में मदमस्त होकर पहले भी महू की माटी को कलंकित किया और देश पर प्राणी इच्छावर करने वाली सुना कि हमारी जांबाज बहन करनाल सोफिया कुरैशी को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया और फिर रतलाम के कार्यक्रम में सार्वजनिक मंच एवं मीटिंग में भी लाडली बहनों को लेकर आपत्तिजनक बयान देकर उनकी महिला विरोधी मानसिकता का परिचय लगातार दिया जा रहा है और भाजपा द्वारा ऐसे मंत्री को संरक्षण देकर महिला विरोधी मानसिकता को बढ़ावा दिया जा रहा है लेकिन महिलाओं के सम्मान में महिला कांग्रेस हमेशा से है मैदान में हमारी नवनियुक्त ऊर्जावान तेज तर्रार अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया जी ने महिलाओं के विरोध में दिए गए बयान को लेकर पूरे प्रदेश की महिला कांग्रेस नेत्रियों से विजय शाह के पुतला दहन का आह्वान कर आधी आबादी को संकेत दिया है कि उनके सम्मान के लिए महिला कांग्रेस हमेशा से मैदान में थी, है और रहेगी। कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजय शाह के विरोध में जमकर नारेबाजी की गई तथा उनके पुतले को चप्पलों से पीटते हुए पुतला दहन किया गया। मुख्य रूप से शमा खान, सुशीला दीदी, प्रीति घानेकर, वर्षा साकोरिया, शबनम, अनिता पायल, आमिर खान, अल-अमन खान, सचिन गुप्ता, अमित अग्रवाल, गोविंद शर्मा, अजय धनावत, विक्की मल्होत्रा, गोना प्रीतम वर्मा, आशु पठान सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महू मे 6.73 लाख की राशि की लागत से किशनगंज पंचायत के रसिया ढाबा सड़क को मिली सौगात

महू ग्राम पंचायत किशनगंज में विकास कार्यों की सौगात लगातार जारी है। विकास कार्यों में पंचायत जहां बरसों पुरानी सड़कों का निर्माण कर रही है तो वहीं पंचायत के पूर्व में छूटे हुए कार्यों को करके विकास की गति बहा रही है किशनगंज पंचायत सरपंच प्रतिनिधि मनोज कौशल ने बताया कि सालों से रसिया ढाबा मार्ग का सड़क निर्माण नहीं होने की वजह से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस बार निर्माण को लेकर महिलाएं एकत्रित हुई, और सरपंच अंजू मनोज कौशल को सड़क निर्माण की पेशकश की। इसके बाद इस सड़क का निर्माण किया गया। पंचायत निधि से बनाई गई इस सड़क का निर्माण लगभग 6.73 लाख रुपए की राशि से करवाया गया। इस दौरान क्षेत्र के रहवासियों ने पंचायत का हृदय से आभार व्यक्त किया।

भोपाल में तेज रफ्तार का तांडव

दो कारों की भीषण भिड़ंत में डेढ़ साल की मासूम सहित छह लोग घायल

भोपाल। भोपाल में तेज रफ्तार एक बार फिर कहर बनकर सामने आई है। कोलार रोड पर गोकुल स्वीट्स के सामने दो कारों के बीच हुई जोरदार टक्कर ने सड़क पर अफरा-तफरी मचा दी। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद एक कार उछलकर डिवाइडर पर चढ़ गई। इस दुर्घटना में डेढ़ साल की मासूम बच्ची सहित कुल छह लोग घायल हो गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसने हादसे की भयावहता को साफ तौर पर दिखा दिया है। जानकारी के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि एक सफेद रंग की कार तेज रफ्तार में सड़क पर आ रही थी, जबकि ब्लैक रंग की कार सड़क पार करने की कोशिश कर रही थी। इसी दौरान दोनों कारों के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। तेज रफ्तार के कारण टक्कर

इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। सफेद रंग की कार टक्कर के बाद नियंत्रण खो बैठी और सीधे डिवाइडर पर जा चढ़ी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालने में मदद की। सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। फिलहाल घायलों की पहचान और यह जानकारी सामने नहीं आ सकी है कि कार सवार लोग कहां जा रहे थे और हादसे के वक्त गाड़ी कौन चला रहा था। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पूरे घटनाक्रम को खंगाला जा रहा है। इस हादसे ने एक बार फिर शहर में बेलगाम रफ्तार पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आए दिन तेज गति से वाहन चलाने की वजह से सड़क हादसे हो रहे हैं, जिनमें मासूम लोग अपनी जान गंवा रहे हैं या गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। शासन और प्रशासन की ओर से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कई जागरूकता अभियान और नियम लागू किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका असर नजर नहीं आता। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर तेज रफ्तार पर कब लगाम लगेगी और कब सड़कें सुरक्षित बनेंगी।

जिला अस्पताल के रक्त संग्रह केंद्र की भयावह लापरवाही

थैलेसीमिया पीड़ित चार मासूमों को चढ़ा एचआईवी संक्रमित रक्त, चार माह बाद भी रक्तदाताओं का नहीं चला पता

सतना। जिला अस्पताल से मानवता को झकझोर देने वाला गंभीर मामला सामने आया है, जहां अस्पताल के रक्त संग्रह केंद्र की घोर लापरवाही ने चार मासूम बच्चों की जिंदगी को स्थायी संकट में डाल दिया है। थैलेसीमिया जैसी गंभीर और लाइलाज बीमारी से जूझ रहे इन बच्चों को इलाज के दौरान एचआईवी से संक्रमित रक्त चढ़ा दिया गया, जिसके कारण अब वे भी इस जानलेवा वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। यह मामला लगभग चार महीने पुराना बताया जा रहा है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि इतने लंबे समय के बाद भी जिम्मेदार तंत्र एचआईवी से ग्रस्त रक्तदाताओं की पहचान नहीं कर पाया है। जानकारी के अनुसार, थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाना अनिवार्य होता है। इसी आवश्यकता के तहत चारों मासूम सतना जिला अस्पताल के रक्त संग्रह केंद्र से रक्त लेकर उपचार करवा रहे थे। लेकिन जिसे जीवन देने वाला माना जाता है, वही रक्त उनके लिए घातक साबित हो गया। अस्पताल द्वारा उपलब्ध कराए गए रक्त में एचआईवी वायरस मौजूद था, जिससे चारों बच्चे संक्रमित हो गए। यह स्थिति अपने आप में अस्पताल और रक्त संग्रह केंद्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है, क्योंकि रक्त चढ़ाने से पहले एचआईवी की जांच अनिवार्य प्रक्रिया का हिस्सा होती है।

मामले की गंभीरता इसलिए भी अधिक है क्योंकि यह लापरवाही केवल एक रक्त इकाई तक सीमित नहीं रही। चार बच्चों के संक्रमित होने का अर्थ है कि कम से कम चार रक्त इकाइयां एचआईवी संक्रमित थीं, जिन्हें बिना समुचित जांच के मरीजों को चढ़ा दिया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि कम से कम चार रक्तदाता एचआईवी से ग्रस्त थे, लेकिन इसके बावजूद उनकी पहचान और पता लगाने की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। आशंका जताई जा रही है कि इसी रक्त संग्रह केंद्र से गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को भी रक्त दिया गया होगा, जो उपचार के बाद दोबारा अस्पताल नहीं आए, ऐसे में उनके भी संक्रमित होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। बताया गया है कि जब बच्चों में एचआईवी संक्रमण की पुष्टि हुई, तब तय नियमों के अनुसार रक्तदाताओं की पूरी श्रृंखला की जांच की जानी चाहिए थी। इसके लिए अस्पताल प्रबंधन, रक्त संग्रह केंद्र और एचआईवी प्रबंधन के लिए विशेष रूप से स्थापित एकीकृत परामर्श एवं जांच केंद्र को सक्रिय भूमिका निभानी थी, लेकिन इस दिशा में गंभीरता नहीं दिखाई गई। यही कारण है कि चार महीने बीत जाने के बाद भी एचआईवी संक्रमित रक्तदाताओं का कोई सुराग नहीं मिल सका है। इस लापरवाही को लेकर अब प्रशासनिक स्तर पर भी सवाल उठने लगे हैं।

मामले के उजागर होने के बाद कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। वहीं इस पूरे प्रकरण पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मामला अत्यंत गंभीर है और इस संबंध में रिपोर्ट मंगाई गई है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी और दोषियों के खिलाफ जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था और रक्त संग्रह प्रणाली की सुरक्षा पर एक बार फिर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है।

मध्यप्रदेश में किसान बदहाल, सरकार के दो साल सिर्फ प्रचार में बीते, खेतों तक नहीं पहुंची राहत : पूर्व कृषि मंत्री सचिन यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार के दो साल पूरे होने पर कांग्रेस ने प्रदेश सरकार पर जोरदार सियासी हमला बोला है। राजधानी भोपाल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व कृषि मंत्री सचिन यादव ने सरकार की उपलब्धियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि दो साल पूरे होने के नाम पर केवल ढिंढोरा पीटा जा रहा है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि प्रदेश का किसान बेहाल और परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों ने किसानों की हालत और खराब कर दी है और खेतों में मेहनत करने वाला किसान आज अपने हक के लिए भटकने को मजबूर है। सचिन यादव ने कहा कि कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ने महज एक साल के कार्यकाल में किसानों के हित में ठोस फैसले लिए थे। उस दौरान किसानों का कर्ज माफ किया गया और नीतियों का केंद्र बिंदु किसान रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण दिया और किसान हित में कई योजनाएं लागू कीं, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार केवल घोषणाओं और प्रचार तक सीमित रह गई है। पूर्व कृषि मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने किसानों से किए गए वादों को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि सोयाबीन की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नियमित सरकारी खरीदी का वादा किया गया था, लेकिन वर्ष 2025 में सोयाबीन की सरकारी खरीदी ही बंद कर दी गई। भावांतर योजना को उन्होंने किसानों के लिए लूट की योजना बताया। इसके साथ ही गेहूं और धान के घोषित समर्थन मूल्य और खरीदी की गारंटी दोनों ही नदारद हैं। भाजपा ने गेहूं 2700 रुपये प्रति क्विंटल और धान 3100 रुपये प्रति क्विंटल खरीदने का वादा किया था, लेकिन यह वादा आज तक पूरा नहीं हुआ। सचिन यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। हालात ऐसे हैं कि किसानों को समय पर खाद भी नहीं मिलती और जब किसान खाद मांगने जाते हैं तो उनके साथ मारपीट तक की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में घटिया और गुणवत्ताहीन खाद बांटी जा रही है, जिसमें प्रदेश देशभर में तीसरे स्थान पर है। वहीं खाद के गलत वितरण के मामलों में मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये आंकड़े कांग्रेस के नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में सरकार द्वारा दिए गए आधिकारिक आंकड़े हैं। सचिन यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों ने प्रदेश के किसान को संकट में डाल दिया है और अगर समय रहते सुधार नहीं किए गए तो आने वाले दिनों में हालात और गंभीर हो सकते हैं। कांग्रेस ने सरकार से मांग की है कि किसानों से किए गए वादों को पूरा किया जाए और उन्हें उनकी फसलों का वाजिब दाम तथा मूलभूत सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं।

ह्यूमन ट्रैफिकिंग में फंसाने की धमकी देकर बुजुर्ग से 76 लाख की साइबर ठगी

क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर रची साजिश

जबलपुर। साइबर ठगी का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां ह्यूमन ट्रैफिकिंग के गंभीर केस में फंसाने की धमकी देकर एक बुजुर्ग से 76 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। ठगों ने खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर फोन किया और बुजुर्ग को डर के साए में इस कदर जकड़ लिया कि उन्होंने अपनी जीवनभर की जमा पूंजी ठगों के बताए खातों में ट्रांसफर कर दी। मामले की शिकायत मिलने के बाद मध्य प्रदेश साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला जबलपुर के संजीवनी नगर थाना क्षेत्र का है। जालसाजों ने बुजुर्ग को फोन कर खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया और कहा कि उनका नाम ह्यूमन ट्रैफिकिंग से जुड़े एक बड़े मामले में सामने आया है। ठगों ने पीड़ित को यह भी बताया कि मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है और जांच के नाम पर

तत्काल रकम जमा नहीं की गई तो उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। इस दौरान ठगों ने सुप्रीम कोर्ट और क्राइम ब्रांच के नाम से बनाए गए फर्जी दस्तावेज भी पीड़ित को भेजे, जिससे उनकी बातों पर भरोसा और गहरा हो गया। डर और मानसिक दबाव में आए बुजुर्ग ने बिना किसी से सलाह लिए ठगों के बताए खाते में रकम ट्रांसफर कर दी। 24 नवंबर को पीड़ित ने एक ही बार में 76 लाख रुपये की बड़ी राशि ट्रांसफर की थी। ठगों ने पीड़ित को यह विश्वास दिलाया था कि जांच पूरी होते ही रकम वापस कर दी जाएगी, लेकिन इसके बाद संपर्क टूट गया। जब पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ तो उन्होंने साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर साइबर पुलिस ने तकनीकी जांच करते हुए पैसों की लेनदेन की कड़ियां जोड़ीं और आरोपियों की लोकेशन का पता लगाया। इसके बाद साइबर सेल की टीम ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में दबिश देकर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल दोनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। साइबर पुलिस का कहना है कि यह एक संगठित साइबर ठगी गिरोह का मामला हो सकता है। आरोपी केवल मोहरे हैं या गिरोह के अहम सदस्य, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस अब कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए गिरोह के सरगना तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। इस घटना के बाद पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल पर खुद को अधिकारी बताने वालों की बातों में न आएं और किसी भी तरह की धमकी या डराने वाली कॉल आने पर तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करें।

वेस्ट की प्रोसेसिंग हमारी ताकत, इंदौर वेस्ट मैनेजमेंट को नेक्स्ट लेवल पर ले आया है शहर - महापौर पुष्यमित्र भार्गव

देवगुराड़िया में नवीन फायर स्टेशन, वेस्ट क्लॉथ प्रोसेसिंग प्लांट एवं मृत पशु निपटान संयंत्र का भूमि पूजन

इंदौर। नगर पालिक निगम इंदौर ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए देवगुराड़िया स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में नवीन फायर स्टेशन, वेस्ट क्लॉथ प्रोसेसिंग प्लांट तथा मृत पशुओं के वैज्ञानिक निपटान हेतु अत्याधुनिक प्लांट का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इन परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कहा कि इंदौर ने स्वच्छता, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्र में देश में अग्रणी पहचान बनाई है। महापौर ने बताया कि मृत पशुओं के निपटान के लिए स्थापित यह आधुनिक प्लांट पर्यावरण अनुकूल और वैज्ञानिक तकनीक से काम करेगा। इसमें एक बैच में 1000 किलोग्राम तक शवों का निपटान संभव होगा। इससे न केवल स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में कमी आएगी, बल्कि नगर निगम की कार्यकुशलता भी बढ़ेगी। वहीं, वेस्ट क्लॉथ प्रोसेसिंग प्लांट में अनुपयोगी कपड़ों से धागा तैयार किया जाएगा, जिसे पुनः उपयोग में लाया जाएगा। यह परियोजना पीपीपी मॉडल पर 2 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित की जा रही है और नगर निगम को इसके माध्यम से लगभग 1.75 लाख रुपये मासिक राजस्व प्राप्त होगा।

इसके साथ ही देवगुराड़िया में नए फायर स्टेशन का निर्माण भी किया जाएगा। लगभग 10 हजार वर्गफुट क्षेत्र में बने इस फायर स्टेशन की लागत करीब 80.7 लाख रुपये है। इससे पालदा-नेमावर रोड और आसपास के क्षेत्रों में आग या अन्य आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं सुरक्षा सुनिश्चित होगी। भूमि पूजन कार्यक्रम के अवसर पर विजय दिवस के उपलक्ष्य में देश सेवा में अभिनव योगदान देने वाले भारतीय सेना के सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी किया गया। सम्मानित पूर्व सैनिकों में भारत पारख, अश्विनी शुक्ल, अभिषेक बबलू शर्मा और नंदकिशोर पहाड़िया शामिल रहे। कार्यक्रम में महापौर परिषद सदस्य, ग्राम सरपंच, नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर का ट्रेंचिंग ग्राउंड आज केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में स्वच्छता और वेस्ट प्रोसेसिंग के नवाचारों के लिए अध्ययन और शोध का केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि इंदौर नगर निगम निरंतर नवाचारों के माध्यम से शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। अनुपयोगी कपड़ों और मृत पशुओं के निपटान जैसी परियोजनाएं शहर की स्वच्छता और आपदा प्रबंधन क्षमता को नए स्तर तक ले जाएंगी। यह भूमि पूजन कार्यक्रम इंदौर के वेस्ट मैनेजमेंट और स्मार्ट सिटी विज़न की दिशा में एक ठोस कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो शहर को पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक लाभ और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में सशक्त बनाएगा।

प्रीतम लाल दुआ सभागृह का किराया कम करने की मांग को लेकर कला एवं संगीत संस्थाओं के लोग संभागायुक्त से मिले

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा नवश्रृंगारित प्रीतम लाल दुआ सभागृह का शुभारंभ संस्था राग इंदोरियंस की पहल पर पिछले सोमवार को संभागायुक्त द्वारा किया गया है। यह 2 माह से बनकर तैयार था परंतु शुरू नहीं किया जा रहा था। अब इसका 4 घण्टे का किराया 12 हजार रु निर्धारित किया गया है वहीं 12000 रु राशि डिपाजिट कराई जाती है जो काफी ज्यादा है। इसके चलते अब तक इस सभागृह में एक भी कार्यक्रम आयोजित नहीं हुआ है और बुकिंग भी नहीं आ रही हैं। सोमवार को प्रीतम लाल दुआ सभागृह का किराया कम करने की मांग को लेकर इंदौर की कला संगीत क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं का एक प्रतिनिधिमंडल तन्मय (हनी) पांडे, पूर्व एमआईसी सदस्य जवाहर मंगवानी, पत्रकार प्रमोद दीक्षित, पत्रकार प्रशांत राय चौधरी, राजेश गोधा, चंद्रशेखर परिहार, लीना श्रीवास के नेतृत्व में संभाग आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि अभिनव कला समाज में 200 बैठक क्षमता वाले सभागृह का किराया 9000 रु और 175 बैठक क्षमता वाले इंदौर प्रेस क्लब के सभागृह का किराया 8000 रु, 250 बैठक क्षमता वाले जाल सभागृह का प्रतिदिन किराया 15000 रु लिया जा रहा है। प्रीतम लाल दुआ सभागृह की बैठक क्षमता 106 है इसके बावजूद भी इसका किराया सबसे महंगा 12000 प्रति 4 घंटे निर्धारित किया गया है जो की तर्कसंगत नहीं है। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि प्रीतम लाल दुआ जी ने इंदौर की सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी राशि देखकर इस सभागृह का निर्माण कराया था। संभाग आयुक्त डॉ सुदाम खाड़े ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि इस पर जल्द ही पुनर्विचार किया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल ने इस सभागृह के संचालन के लिए कला संगीत के क्षेत्र से जुड़े पांच सदस्यों की सलाहकार समिति बनाए जाने का भी सुझाव दिया है। प्रतिनिधि मंडल में मनजीत खालसा, गुरदीप सिंह भाटिया, लखन थोरात, लाभांश जायसवाल, विजय सोनवाल, दिनेश सोलंकी, मनोज यादव, अनीता पलटन, प्रमोद पारे, राजेंद्र नामदेव, अकरम अंसारी, कैलाश राय, नवीन बंजारिया, प्रहलाद जाटवा, मुकेश गहलोत, बलराम खिलवानी, शाकिर खान, इंद्रजीत सिंह, राजेश दुबे कमल चौहान, यशवंत खंडागले, राजेश तलरेजा, आशीष जायसवाल, शिवम परिहार आदि शामिल थे।

शासकीय सेवकों के गुमशुदा जीपीएफ कटौत्रों के निराकरण के लिए विशेष शिविर प्रारंभ

इंदौर। महालेखाकार कार्यालय ग्वालियर के निर्देशानुसार शासकीय सेवकों के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) से संबंधित गुमशुदा कटौत्रों, निष्क्रिय खातों, पार्ट वांट/फुल वांट और अप्रविष्ट मदों के प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से कलेक्टर कार्यालय कक्ष संख्या 112 में विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर का प्रथम दिवस 15 दिसंबर, 2025 को संपन्न हुआ, जिसमें 14 विभागों के लगभग 85 कर्मचारियों के जीपीएफ प्रकरण प्राप्त हुए। विभागों से अपील की गई है कि कर्मचारी अधिक से अधिक संख्या में शिविर में उपस्थित होकर अपने पेंडिंग प्रकरणों का निराकरण अवश्य कराएं। कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में और वरिष्ठ कोषालय अधिकारी मोनिका कटारे के निर्देशन में सामान्य भविष्य निधि के गुमशुदा कटौत्रों और जीपीएफ जागरूकता से संबंधित विशेष शिविर 19 दिसंबर, 2025 को आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में इंदौर संभाग के सभी विभागों के कर्मचारियों के गुमशुदा कटौत्रों की सूची महालेखाकार ग्वालियर से आए दल द्वारा जिला कोषालय, इंदौर के माध्यम से व्हाट्सएप पर सॉफ्ट कॉपी में प्रेषित की जा चुकी है। शिविर में प्रत्येक आहरण एवं संवितरण अधिकारी के प्रतिनिधि को भी आवश्यक रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान शासकीय सेवकों के गुमशुदा कटौत्रों, निष्क्रिय खातों, पार्ट वांट/फुल वांट और अप्रविष्ट मदों से संबंधित सभी प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाएगा। शिविर से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जिला कोषालय इंदौर से संपर्क किया जा सकता है। समस्त आहरण और संवितरण अधिकारियों से अपील की गई है कि वे अपने विभागीय जीपीएफ प्रकरणों का परीक्षण कर सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे सामान्य भविष्य निधि कटौत्रा पत्रक, वेतन देयक, चालान की प्रति, कैशबुक और बिल रजिस्टर आदि की प्रमाणित प्रति लेकर शिविर में उपस्थित हों। शिविर में जीपीएफ के अंतिम भुगतान प्रकरणों में बरती जाने वाली सावधानियों और अन्य महत्वपूर्ण मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा, जिससे शासकीय कर्मचारियों के प्रकरणों का शीघ्र और सही निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

उत्कृष्ट पुलिसिंग को प्रोत्साहन: इंदौर पुलिस कमिश्नर ने 20 पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

इंदौर। आम नागरिकों को बेहतर, संवेदनशील और प्रभावी पुलिसिंग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पुलिसकर्मियों के उत्साहवर्धन हेतु एक साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। इसी क्रम में आज पलासिया स्थित कार्यालय में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने पुलिसिंग के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले 20 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। पुलिस कमिश्नर ने पुरस्कृत पुलिसकर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार निष्ठा, प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता के साथ कर्तव्य निर्वहन के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अप./मुख्या.) आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त (जोन-04/ट्रैफिक) आनंद कलादगी सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने भी सम्मानित कर्मियों का हौसला बढ़ाया। सम्मानित पुलिसकर्मियों का संक्षिप्त विवरण ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत अपहृतों की दस्तयाबी में उल्लेखनीय योगदान देने वाले थाना मल्हारगंज, आजाद नगर, लसुडिया एवं कनाडिया के अधिकारी-कर्मचारी चोरी के प्रकरण में सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आरोपी की पहचान व गिरफ्तारी करने वाली पलासिया थाना टीम अवैध हथियारों की जब्ती एवं जिलाबदर बदमाशों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले छत्रीपुरा एवं द्वारकापुरी थाना स्टाफ यातायात प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले यातायात थाना के अधिकारी एवं कर्मचारी नकली नोटों के विरुद्ध कार्रवाई में अपराध शाखा के अधिकारी-कर्मचारी

नकली नोट प्रकरण में एक और फरार आरोपी गिरफ्तार, 45 नकली नोट और एक प्रिंटर जब्त

इंदौर। इंदौर में नकली नोट प्रकरण में क्राइम ब्रांच ने एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। क्राइम ब्रांच टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई में आरोपी अंकित बुरासी निवासी बाणगंगा, इंदौर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से करीब 45 नकली 500 के नोट, जिनकी कुल कीमत 22,500 है, एक प्रिंटर तथा प्रिंटिंग से संबंधित सामग्री बरामद की गई है। जब्त किए गए कुल मशरूका की अनुमानित कीमत लगभग 1,50,000 है।

भारतीय खिलाड़ियों ने जीते 8 स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई में 7 से 14 दिसंबर तक आयोजित युवा एशियाई पैरा गेम्स में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 मेडल जीते। इसमें 8 स्वर्ण, 3 रजत और 6 कांस्य पदक थे। भारत की तरफ से जतिन आजाद ने एसयू5 श्रेणी में 2 स्वर्ण पदक जीते।

पहले उन्होंने पुरुष एकल का खिताब जीता और फिर शिवम यादव के साथ पुरुष डबल्स में स्वर्ण पदक जीता। जतिन आजाद ने कहा, 'मैं सभी चैंपियनशिप में खेलना चाहता हूं, और ज्यादा अनुभव और एक्सपोजर हासिल करना चाहता हूं। मुझे पता है कि मुझे लॉस एंजिल्स 28 पैरालिंपिक के लिए चुना जाएगा। 'आजाद ने कहा, 'हर किसी में शुरू करने की हिम्मत नहीं होती, लेकिन बस खेलो, अपना बेस्ट दो, अच्छी ट्रेनिंग करो, नतीजे मिलेंगे। '

दुबई 2025 सभी भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए पहला एशिया युवा खेल

था। इस इवेंट ने खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच उपलब्ध कराया है। लॉस एंजिल्स 2028 पैरालिंपिक के पहले पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए यह एक अहम इवेंट था। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार अच्छा कर रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स हो या फिर ओलंपिक, भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों को जोरदार टक्कर दे रहे हैं और पदक जीत रहे हैं।

ऐसे में पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों का दुबई में शानदार प्रदर्शन भारतीय बैडमिंटन की मजबूती और गहराई को दिखाता है। एशियाई पैरा गेम्स में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखने के बाद इस बात की उम्मीद की जा सकती है कि लॉस एंजिल्स 2028 पैरालिंपिक में भी बैडमिंटन में भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहेगा।

हर्षित चौधरी ने भी स्वर्ण पदक जीता।

हर्षित ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि हम हर चीज के लिए तैयार थे। मैं और मेरे साझीदार सकारात्मक रहे।

महबूबा-रुहुल्ला ने की CM नीतीश की कड़ी निंदा

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी पीडीपी की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और नेशनल कान्फ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक सरकारी समारोह में एक मुस्लिम महिला का कथित तौर पर बुर्का हटाए जाने की कड़ी निंदा की है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह घटना हैरान करने वाली और आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा कि मैं नीतीश कुमार को निजि तौर पर जानती हूं और उन्हें एक सभ्य और शालीन व्यक्ति मानती थी, उनकी तारीफ करती थी।लेकिन इस घटना मैं भी आहत हूं। उन्होंने कहा कि इस घटना को क्या उनकी बढ़ती उम्र का नतीजा बताया जाए या फिर वह भी मुस्लिमों को बेइज्जत और प्रताड़ित करने की देश में जारी नयी मानसिकता का एक हिस्सा माना जाए। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह घटना अपने आप में परेशान करने वाली थी, लेकिन इससे भी ज़्यादा परेशान करने वाली बात यह थी कि वहां मौजूद लोग इस घटना को मनोरंजन के तौर पर देख रहे थे। मुफ्ती ने कहा कि इस तरह का व्यवहार एक ऊंचे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए ठीक नहीं है और पूछा कि क्या नीतीश कुमार के लिए पद छोड़ने का समय आ गया है। नेशनल कान्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री का व्यवहार अत्यंत आपत्तिजनक और गलत है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिला का बुर्का सार्वजनिक रूप से हटाना गरिमा और व्यक्तिगत सम्मान का गंभीर उल्लंघन है।

कैमरन ग्रीन को 25.20 करोड़ में KKR ने खरीदा; स्टार्क और कमिंस का रिकॉर्ड टूटा, बने

आईपीएल ऑक्शन 2026

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में कैमरन ग्रीन पर ताबड़तोड़ बोली लगी है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर के लिए पहले राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच जंग हुई। उसके बाद सीएसके की इसमें एंट्री हुई। बाद में बाजी केकेआर ने मारी और ग्रीन को 25.20 करोड़ में अपने साथ जोड़ा। कैमरन ग्रीन अब आईपीएल इतिहास के तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी और सबसे महंगे विदेशी बन गए हैं।

कैमरन ग्रीन की इस बोली से पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड टूट गया है। कमिंस को आईपीएल 2024 में हुए ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने 20.50 करोड़ में खरीदा था। वहीं स्टार्क पर केकेआर ने ही 2024 ऑक्शन में 24.75 करोड़ की बोली लगाई थी। अब केकेआर ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा और कैमरन ग्रीन पर करोड़ों की बारिश हुई।

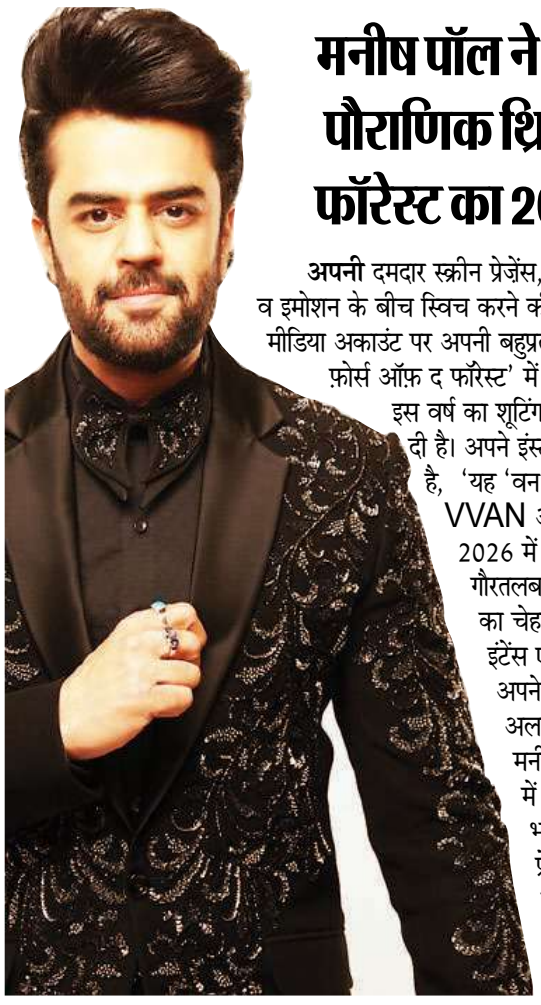

नहीं मिलेंगे 18 करोड़ से ज्यादा रुपए: गौरतलब है कि आईपीएल 2026 ऑक्शन के लिए मैक्सिमम फीस नियम लागू किया गया है। इस नियम के तहत किसी भी विदेशी खिलाड़ी को 18 करोड़ रुपये से ज्यादा का पेमेंट नहीं किया जा सकता, जो 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों को रिटेन

मनीष पॉल ने पूरी की अपनी लोक-पौराणिक थ्रिलर वन-फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट का 2025 का शूटिंग शेड्यूल

अपनी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और सहजता से ह्यूमर व इमोशन के बीच स्विच करने की कला माहिर मनीष पॉल ने अपनी सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी बहुप्रतीक्षित लोक-पौराणिक थ्रिलर फिल्म 'वन - फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट' में निभा रहे अपने किरदार की एक तस्वीर के साथ इस वर्ष का शूटिंग शेड्यूल खत्म होने की खबर, अपने फैंस को दी है। अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए मनीष पॉल ने लिखा है, 'यह 'वन' के लिए 2025 का शेड्यूल पूरा हो चुका है... VVAN आ रहा है... अब अगले शेड्यूल के लिए जनवरी 2026 में फिर से आने का बेसब्री से इंतजार है!'

गौरतलब है कि इस पोस्ट के साथ फोटो में मनीष पॉल का चेहरा घायल दिखाई दे रहा है, जहां उनके चेहरे पर इंटेंस एक्सप्रेशन के साथ आँखों में आग है। फिलहाल अपने चिर-परिचित हल्के-फुल्के अंदाज़ से बिल्कुल अलग एक बेहद इंटेंस और लेयर्ड किरदार निभा रहे मनीष पॉल की इस फोटो को देखकर उनके दर्शकों में इस फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ गया है।

भारतीय लोककथाओं और जंगल की कहानियों से प्रेरित फिल्म 'वन - फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट', बालाजी टेलीफिल्म्स और टीवीएफ मोशन पिक्चर्स की प्रस्तुति के साथ एक महत्वाकांक्षी लोक-पौराणिक थ्रिलर है,.

अर्जुन रामपाल ने इस काम को बताया जिंदगी का सबसे मुश्किल रोल, माता-पिता आ गए याद

अर्जुन रामपाल इन दिनों अपनी नई फिल्म और अपने नए रिश्ते को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने एक काम को जिंदगी का सबसे मुश्किल रोल बताया है। अर्जुन रामपाल फिल्म 'धुरंधर' में बेहतरीन अदाकारी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके अलावा वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने गैब्रिएला डेमेट्रियड्स से सगाई कर ली है। उन्होंने बताया है कि अपनी पहली पत्नी से तलाक के बाद उन्होंने अपनी बेटियों की परवरिश की है। बेटियों की परवरिश करते हुए रिश्तों को लेकर उनकी समझ बदली है।

अर्जुन रामपाल ने की सगाई

साल 2018 में अपनी पूर्व पत्नी मेहर जेसिया से अलग होने के बाद अर्जुन रामपाल का नाम गैब्रिएला डेमेट्रियड्स के साथ जुड़ा। इस बीच उन्होंने अपनी बेटियों माहिका और मायरा की परवरिश जारी रखी। छह साल तक एक साथ रहने के बाद अब उन्होंने सगाई की है। रिया चक्रवर्ती से बातचीत में अर्जुन रामपाल ने बताया कि बच्चों की परवरिश जिंदगी का सबसे मुश्किल रोल है।

परवरिश सबसे बड़ी चुनौती

'धुरंधर' एक्टर ने कहा, 'बच्चों की परवरिश दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है। छोटी-छोटी चीजों के लिए भी उन्हें आपसे चिपके रहना पड़ता है और वे हमेशा आपके आस-पास रहते हैं। आप उनके लिए सब कुछ होते हैं। जब उन्हें अपने छोटे पंख मिलते हैं और वे आपके घोंसले से बाहर उड़ना शुरू करते हैं, तब आप अचानक उनकी निगरानी करने वाले बन जाते हैं।'

भारती सिंह ने आयशा खान को लेकर किया ऐसा कमेंट

'ये मजाक नहीं बॉडी शेमिंग है'

लॉफ्टर शेफ के हालिया एपिसोड में 'किस किसको प्यार करूं 2' की टीम पहुंची थी। तभी कॉमेडियन भारती सिंह ने आयशा खान को लेकर कुछ ऐसा कह दिया कि अब वो लोगों के निशाने पर हैं। कॉमेडियन भारती सिंह जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं। लेकिन भारती प्रेग्नेंसी में भी लगातार काम कर रही हैं। वो इन दिनों रियलिटी शो 'लॉफ्टर शेफ' को होस्ट कर रही हैं। अब शो के हालिया एपिसोड में भारती ने कुछ ऐसा कर दिया, जो काफी वायरल हो गया। वहीं इसके बाद कुछ लोगों ने भारती को ट्रोल भी कर दिया।

भारती के कमेंट से असहज हुई आयशा

लॉफ्टर शेफ के हालिया एपिसोड में कपिल शर्मा समेत 'किस किसको प्यार करूं 2' की पूरी टीम शो पर पहुंची थी। इस दौरान कपिल के साथ पूरी टीम ने जमकर मस्ती की। इसी दौरान भारती ने फिल्म की हीरोइन आयशा खान को लेकर कुछ ऐसा कह दिया, जो वायरल हो गया और कई लोगों को पसंद भी नहीं आ रहा है। पूरी कास्ट के एंट्री करने के बाद भारती ने कहा, 'जब सारी हीरोइन आई ना, मुझे आयशा को देख के लगा कृष्णा फिर से आ गया।' भारती के इतना कहते ही सब जोर-जोर हंसने लगे। जबकि आयशा भी ये सुनकर हैरान रह गईं। इसके बाद भारती ने अपनी बात को संभालते हुए कहा कि क्योंकि आयशा कृष्णा की ही तरह लंबी है ना। भारती के इस कमेंट से आयशा काफी असहज नजर आईं और अपने पेट को हाथ से ढकने की कोशिश करते हुए कपिल शर्मा की ओर दौड़ती नजर आईं। इसके बाद कपिल ने भारती से पूछा कि ये तारीफ थी या क्या? वहीं पारुल गुलाटी ने भारती से कहा कि आपको ऐसा नहीं कहना चाहिए था। इस पर भारती ने जवाब दिया, 'माफ करें, मैं प्रेग्नेंट हूं।'

लोगों के निशाने पर आईं भारती

शो की ये क्लिप अब काफी वायरल हो रही है। वहीं इस पर तरह-तरह के रिएक्शन भी सामने आ रहे हैं। कुछ यूजर्स भारती के कमेंट को बॉडी शेमिंग बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि भारती ने आयशा की बॉडी शेमिंग की है। वहीं कुछ का कहना है कि भारती शो पर पुरुष-महिला सबकी ही बेइज्जती करती रहती हैं। वो मजाक के नाम पर लोगों को नीचा दिखाती हैं। एक नेटिजन ने कहा कि यह बिल्कुल भी मजेदार नहीं था और मोटे शरीर वाली महिलाओं के प्रति सरासर अपमानजनक था, जबकि आयशा उतनी मोटी भी नहीं हैं। जबकि एक ने कहा कि मुझे आयशा के लिए बुरा लग रहा है। ये बिल्कुल भी फनी नहीं था।

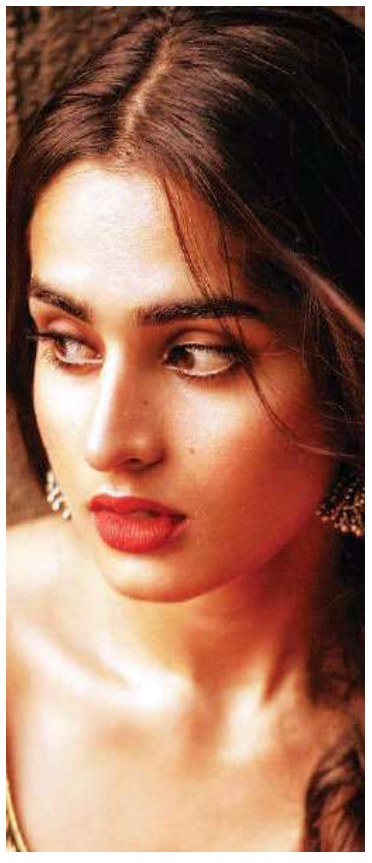

एक आदमी औरत का नकाब हटा सकता है, तो कल; नीतीश कुमार के हिजाब वाले वीडियो पर आप प्रवक्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक मुस्लिम महिला डॉक्टर का हिजाब हटाने के कथित प्रयास का वीडियो सामने आने के बाद, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने उनकी कड़ी आलोचना की है। यह घटना मुख्यमंत्री कार्यालय में 1,283 आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के एक समारोह के दौरान हुई। इसपर आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने निंदा करते हुए कहा कि एक आदमी औरत का नकाब हटा सकता है, तो कल कौन तय करेगा कि मेरे ढके हुए हाथ उसे ठेस पहुंचाते हैं?

प्रियंका कक्कड़ ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अगर आज सत्ता में बैठा एक आदमी किसी महिला का नकाब हटा सकता है, तो कल कौन तय करेगा कि मेरे ढके हुए हाथ उसे ठेस पहुंचाते हैं? नियंत्रण कभी कपड़े के एक टुकड़े पर नहीं रुकता। समानता का मतलब सहमति है। हमेशा।÷ कांग्रेस पार्टी ने भी इस घटना को ÷शर्मनाक÷ बताते हुए एक आधिकारिक ङ्क पोस्ट किया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस के किए गए पोस्ट में कहा गया कि यह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। एक महिला डॉक्टर अपना नियुक्ति पत्र लेने आई थीं, और नीतीश कुमार ने उनका हिजाब खींच दिया। बिहार में सर्वोच्च पद पर बैठा व्यक्ति खुलेआम ऐसा घिनौना कृत्य कर रहा है। सोचिए राज्य में महिलाएं कितनी सुरक्षित होंगी? इस घिनौने व्यवहार के लिए नीतीश कुमार को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। यह नीचता अक्षम्य है।÷ बता दें कि यह घटना संवाद में हुई, जो मुख्यमंत्री का सचिवालय है। यह वह जगह थी जहां 1,000 से अधिक आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे थे। इस घटना का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, जिन डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र दिए गए उनमें आयुर्वेद डॉक्टर-685, होम्योपैथ डॉक्टर-393, यूनानी चिकित्सा डॉक्टर-205 शामिल थे। इनमें से, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 10 नियुक्त डॉक्टरों को व्यक्तिगत रूप से नौकरी के पत्र सौंपे, जबकि बाकी डॉक्टरों को ये पत्र ऑनलाइन दिए गए। जब नुसरत परवीन नाम की डॉक्टर की बारी आई, जो अपने चेहरे पर हिजाब पहनकर आई थीं। 75 वर्षीय मुख्यमंत्री ने भौंहें चढ़ाकर आश्चर्य से पूछा, ÷यह क्या है?÷। इसके बाद मंच पर खड़े मुख्यमंत्री नीचे झुके और उन्होंने हिजाब को नीचे खींच दिया।

किसानों की बल्ले-बल्ले! गौतमबुद्धनगर-बुलंदशहर सहित यूपी के 6 जिलों के किसानों को मिलेगा अतिरिक्त मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे के लिए जमीन देने वाले किसानों के लिए अच्छी खबर है। उत्तर प्रदेश के छह जिलों के करीब 4500 किसानों को नए साल में अतिरिक्त मुआवजा देने के लिए प्रदेश सरकार ने हरी झंडी दे दी है। यमुना विकास प्राधिकरण अब किसानों को 1689 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का भुगतान करेगा। यह मुआवजा चरणबद्ध तरीके से दिया जाएगा।

किसान लंबे समय से बढ़े हुए मुआवजे की मांग कर रहे थे। अतिरिक्त मुआवजा उन किसानों को मिलेगा, जिन्होंने एक्सप्रेसवे निर्माण के लिए अपनी कृषि भूमि दी और जिनके मामलों में मुआवजा पुनरीक्षण को मंजूरी दी गई। गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा और आगरा जिलों के किसानों को अतिरिक्त मुआवजे का लाभ मिलेगा। इन जिलों से होकर गुजरने वाले यमुना एक्सप्रेसवे के निर्माण में हजारों एकड़ भूमि का उपयोग किया गया था। जेपी इंफ्राटेक को टेकओवर करने वाली सुरक्षा कंपनी 1334 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी।

दिल्ली की सड़कों पर पुलिस काऑपरेशन चक्रव्यूह

नियम तोड़ने कटे 24 हजार चालान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नियम तोड़ने वालों पर सख्ती दिखाते हुए एक खास अभियान चलाया। इस अभियान का नाम था ऑपरेशन चक्रव्यूह। इस पखवाड़े भर चले अभियान में हजारों चालान कटे और कई वाहन जब्त हुए। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई जानलेवा गलतियों को रोकने के लिए जरूरी थी। दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा के निर्देश पर शुरू हुए इस ऑपरेशन में ट्रैफिक पुलिस, लोकल थाने और पीसीआर वैन की टीमें साथ मिलकर काम कर रही थीं। रोजाना दो घंटे के लिए व्यस्त चौराहों, बाजारों और दुर्घटना वाली जगहों के प्रवेश-निकास पर घेराबंदी की जाती थी। डीसीपी ट्रैफिक शशांक जायसवाल ने बताया कि यह सुनियोजित कार्रवाई थी, ताकि कोई उल्लंघनकर्ता बचकर न निकल सके। अभियान में कुल 24,841 चालान विभिन्न ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के लिए काटे गए। गंभीर मामलों में 144 वाहनों को जब्त किया गया। एक चौंकाने वाली घटना में चेकिंग के दौरान एक वाहन से नशीले पदार्थ बरामद हुए, जिसके बाद तिमारपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने खास तौर पर उन उल्लंघनों पर कार्रवाई की जो सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनते हैं। इसमें हेलमेट के बिना दोपहिया वाहन चलाना, ट्रिपल राइडिंग, नशे में वाहन चलाना, लापरवाही से ड्राइविंग, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल और रेड लाइट तोड़ना शामिल है।

कोहरे ने सताया, पलूशन ने रुलाया

● वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की बैठक में क्या हुआ?

नई दिल्ली, एजेंसी। हर तरफ सफेद मोटी चादर सी धुंध... धुंध कहें या कोहरा समझ नहीं आ रहा। बाहर निकलों तो मानो सांस पर बन आए... पलूशन का मीटर देखो स्थिति काफी गंभीर है। 450 से 500 एक्यूआई होते ही ग्रैप-4 तक लागू कर दिया,स्कूल के बच्चों को पांचवी तक ऑनलाइन पढ़ने का आदेश है पर मंगलवार सुबह मामूली सुधार के बाद भी स्थिति ऐसी नहीं जिसमें आप खुली सांस ले सको। डॉक्टर तो पहले ही इसे हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर चुके हैं पर हालत जस की तस। लखनऊ, हैदराबाद, मुंबई तक की हवा दिल्ली से ज्यादा साफ है। पलूशन का असर यह रहा कि सोमवार को पीएम मोदी विदेश दौरे पर जाने से पहले मशहूर फुटबॉलर जीओएटी लियोनेल मैसी तक से नहीं मिल पाए। मैसी का पलूशन के चलते विमान लेट हो गया और पीएम चले गए। इसके अलावा फ्लाइट्स को भी उड़ान भरने में देरी हो रही है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, सुबह 8 बजे के आस-पास शहर का कुल वायु गुणवत्ता सूचकांक 378 रहा, जो इसे बहुत खराब श्रेणी में आता है। सोमवार को एक्यूआई शाम 4 बजे के आस-पास 427 तक पहुंच गया था, जो गंभीर श्रेणी में था, जिसकी तुलना में वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार देखने को मिला है। इस हल्की गिरावट के बावजूद, राजधानी के बड़े हिस्सों में प्रदूषण का स्तर खतरनाक रूप से ऊंचा बना हुआ है। पूरे शहर को जहरीली धुंध की एक घनी चादर ने ढंक रखा है, जिससे विजिबिलिटी (दृश्यता) बहुत कम हो गई है और निवासियों को परेशानी हो रही है। इंडिया गेट जैसे प्रमुख क्षेत्रों में एक्यूआई 380 दर्ज किया गया, जबकि सराय काले खां में यह लगभग 359 रहा। सीपीसीबी के अनुसार, ये दोनों बहुत खराब श्रेणी में थे। वहीं, गाजीपुर और आनंद विहार में एक्यूआई लगभग 410 दर्ज किया गया।

दिल्ली के प्रदूषण के चलते फ्लाइट्स को भी उड़ान भरने में परेशानी हो रही है। दिल्ली एयरपोर्ट ने ताजा जानकारी देते हुए बताया कि फ्लाइट परिचालन धीरे-धीरे ठीक हो रहा है, लेकिन कुछ जाने वाली और आने वाली उड़ानों में बाधाएं आ सकती हैं। सटीक और समय पर जानकारी (अपडेट) के लिए, कृपया सीधे अपनी एयरलाइन से संपर्क करें। यात्रियों की सहायता करने और आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए हमारे कर्मचारी सभी टर्मिनलों पर उपलब्ध हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-एनसीआर में वाहनों के उत्सर्जन से होने वाले वायु प्रदूषण को रोकने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति की पहली बैठक सोमवार को आयोजित की थी। यह बैठक अशोक झुनझुनवाला की अध्यक्षता में और प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया के सह-अध्यक्षता में हुई। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ङ्क पर एक पोस्ट में बताया कि इस बैठक में दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन के स्रोतों से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अनुसार, ÷विचार-विमर्श में सेगमेंट-वार वाहनों के उत्सर्जन के योगदान का आकलन, स्वास्थ्य जोखिम इलेक्ट्रिक वाहन की तैयारी और बुनियादी ढांचे की जरूरतों को शामिल किया गया।

मॉस्को पर पर्ल हार्बर जैसा हमला टला

मास्को एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में पर्ल हार्बर जैसा हमला टल गया है। दरअसल ड्राइवर्स की कमी की वजह से यूक्रेन को मॉस्को के बॉम्बर फ्लीट पर अपना बड़ा हमला टालना पड़ा। एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। यह हमला पर्ल हार्बर स्टाइल का था, जो रूस की हवाई ताकत को नुकसान पहुंचाने और क्रेमलिन को शर्मिंदा करने के लिए प्लान किया गया था।

कीव ने इस साल की शुरुआत में गुपचुप तरीके से ड्रोन्स रूस में भेजे थे। हमले की तारीख रूसी विक्ट्री डे, यानी 9 मई तय थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, यह ऑपरेशन स्पाइडरवेब का हिस्सा था, जो स्क्क की अब तक की सबसे साहसिक मिशन थी।

इस मिशन की प्लानिंग में 18 महीने लगे, जिसमें छल-कपट, हाई-टेक टेक्नोलॉजी का सहारा लिया गया। हमले के लिए ड्रोन्स को लॉन्च पॉइंट्स तक पहुंचाने की जिम्मेदारी रूसी ट्रक

ड्राइवर्स पर थी, जो अनजाने में लकड़ी के केबिन्स समझकर उन्हें ट्रांसपोर्ट कर रहे थे। लेकिन विक्ट्री डे, रूसी लेबर डे और ऑर्थोडॉक्स ईस्टर जैसे छुट्टियों की वजह से एक्टिव ड्राइवर्स की कमी हो गई। स्क्क अधिकारियों ने बताया कि ड्राइवर्स का पूल इतना छोटा था कि मिशन को रिस्की मानकर टालना पड़ा। आखिरकार मई के आखिर में सही ड्राइवर्स मिले। ऑपरेशन के दौरान कई मुश्किलें आईं। एक बार एक ड्राइवर ने केबिन की छत गिरी हुई देखी और अंदर ड्रोन्स नजर आ गए। उसने तुरंत अपने एम्प्लॉयर आर्टेम टिमोफीव से संपर्क किया, जो 37 साल का यूक्रेनी था और रूस में रहता था। टिमोफीव स्क्क के साथ काम कर रहा था और उसने ड्रोन्स को अपनी पत्नी के साथ असेंबल किया था। स्क्क की सलाह पर उसने अनजान बनते हुए बहाना बनाया कि ये केबिन्स हंटिंग लॉज हैं और ड्रोन्स जानवरों को ट्रैक करने के लिए इस्तेमाल होते हैं। एक ट्रक में मैकेनिकल खराबी आ गई, जिसे स्क्क और टिमोफीव ने मिलकर ठीक किया। उन्होंने कार्गो को दूसरे वाहन में शिफ्ट कर दिया। इसके अलावा, दो ड्रोन-लोडेड केबिन्स से कम्युनिकेशन टूट गया। रिमोट इंस्ट्रक्शन्स देने की कोशिश नाकाम रही और डर था कि मिशन फेल हो जाएगा। फिर रिपोर्ट्स से पता चला कि उन केबिन्स में आग लग गई थी, जिससे ड्रोन्स फट गए और ड्राइवर की मौत हो गई। इन सबके बावजूद ऑपरेशन कामयाब रहा। 1 जून की सुबह चार ट्रकों से 100 से ज्यादा ड्रोन्स लॉन्च किए गए, जो चार रूसी एयरफील्ड्स पर हमला करने के लिए भेजे गए।

नशे की लत में किया किया अपने ही पिता फिल्ममेकर रॉब रेनर का कत्ल

लॉस एंजिल्स एजेंसी। लॉस एंजिल्स के पॉश इलाके ब्रेंटवुड में रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। मशहूर हॉलीवुड डायरेक्टर रॉब रेनर और उनकी पत्नी मिशेल सिंगर रेनर को उनके घर में चाकू मारकर मौत के घाट उतार दिया गया।

पुलिस के मुताबिक, इस जघन्य अपराध के लिए जिम्मेदार उनका अपना 32 साल का बेटा निक रेनर है। निक को हत्या के शक में गिरफ्तार कर लिया गया है और वह बिना जमानत के जेल में बंद है। घटना की शुरुआत शनिवार रात से हुई।

एक सूत्र के हवाले से सीएनएन ने बताया कि निक को कॉमेडियन कोनन ओब्रायन के घर पर आयोजित हॉलिडे पार्टी में अपने पिता रॉब से झगड़ते देखा गया था। अगले दिन रविवार को उनकी बेटी ने घर पहुंचकर माता-पिता के शव देखे। पुलिस को बुलाया गया तो पता चला कि दोनों को कई चाकू के घाव लगे थे। लॉस एंजिल्स पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। रविवार शाम को ही निक को साउथ लॉस एंजिल्स में यूएससी यूनिवर्सिटी के पास से पकड़ लिया गया। पुलिस चीफ जिम मैकडॉनेल ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि निक को हत्या के आरोप में बुक किया गया है। केस मंगलवार को प्रॉसिक्यूटर्स को सौंपा जाएगा, जहां औपचारिक चार्ज पर फैसला होगा। पुलिस ने अभी मोटिव का खुलासा नहीं किया है। परिवार की ओर से कोई बयान नहीं आया है। निक का वकील भी सामने नहीं आया। हॉलीवुड में यह खबर आग की तरह फैली और हर कोई सदमे में है। निक रेनर रॉब और मिशेल के तीन बच्चों में दूसरे नंबर का बेटा है। बड़ा बेटा जेक (1991 में जन्म), निक (1993) और छोटी बेटी रोमी (1997)। निक की जिंदगी बचपन से ही मुश्किलों भरी रही।